SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Sir, I am jusj alarming the Government that there are cases not only in Maharashtra or Bombay but everywhere. Now, the Indian state 01 the Indian Government has to apply its mind to what one should do. This is such a serious matter. Who is responsible? Primarily, the State Govemment. When something happens, if they do not own any respon-sibihty and pass it on to somebody else, we are not going to accept it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRl JOHN F. FERNANDES): I think you have made your point. Please take your seat. Shri Maheshwar Singh. *(Inlerrnptirins)*, One minute, Mr. Malieshwar Singh. Yes, Mr. Pra-dhan. Your party has already associated itself. Okay. Half a minute.

श्री सतीश प्रधान : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं गुरूदास दासगुप्त जी का बहुत आभारी हूं कि उन्होने यह प्रश्न उठाया और बहत अच्छी तरह से उठाया और आज उनकी जो टोन थी, उसको भी मैं एप्रिशियेट कर रहा हूं कि बहुत अच्छी टोन थी। अगर आगे भी इसी वातवरण में सदन की चर्चा हो तो बहुत अच्छा रहेगा।

The point is, as soon as the incident took place, the Government started taking action. Even by the evening, two persons were arrested. Other things are going on fast. The Government is taking stern action about it. If the Government knew that such a thing would take place, it wonld have provided security. The persons who might require security are requested. We requested so many people, "If you fear something wrong will take place or if some people are threatening you, please inform the Government. The Government will provide yon security." Accordingly, so manv people came forward to comolain. We have given them secnrifv. Unfortunnatelv, with Mr. Gulshan Kumar, it did not hapoen. Therefore, the incident took place. We are very sotrv for the incident. Action will be taken strictly. At the same tune, I would request hon. Mr, Adik. Whenever you are talking in this House, please talk sense.

3.00 P.M.

RE: LOSS OF LIFE AND PROPERTY IN FLASH FLOODS IN HIMACHAL PRADESH

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपको विदित ही हैं कि गत सप्ताह मैंने चेयर की ही अनुमति से इस माननीय सदन का 29 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में घटी एक दुर्घटना की ओर ध्यान आकर्षित किया था कि हिमाचल प्रदेश में मंड़ी जिला में 29 जुलाई को भूकम्प से करोड़ो रूपए की सम्पत्ति की क्षति हुई थी। अभी इस दुर्घटना को घटे दो सप्ताह भी नहीं बीते कल और पिछली 11 तारीख की रात्रि को पुनः प्रकृति ने एक तांडवा नृत्य रचा हैं और करोड़ो रूपए के जानमाल की क्षति हिमाचल प्रदेश के दुगुर्म क्षेत्रों में हुई है। महोदय, 11 तारीख की रात्रि को चडगांव नामक गांव में जो कि शिमला जिले के दुर्गम क्षेत्र में पड़ता हैं वहां बादल फटने से लगभग 150 लोग मर चुके हैं। वहां पर झील बनी हुई हैं, अभी पूरी क्षति का अंदाजा लगाना कठिन हैं और इसी प्रकार से किन्नोर जिले में बागूठ नामक स्थान पर पुल के ऊपर से पानी बन रहा हैं और सात किलोमीटर के एरिये में वहां की झील बन गई है, सारी की सारी नदी रूकी पड़ी हैं, यही नहीं बल्कि जो पॉवर हाऊस था रामपुर में उसमें भी पानी जा चुका हैं और एन.जे.पी.सी. की करोड़ो की जो मशीनरी थी वह तबाह हो चुकी हैं और जो एन.जे.पी.सी. कालोनी स्थित है सतलज के किनारे वहां अभी इस बात का अनुमान नहीं लगाया जा सकता हैं कि कितनी मशीनरी वह गई हैं, कितनी गाड़ी बह गई कितने लोग मर गए, सैंकड़ो, लोग अभी लापता और सम्पर्क टूटा हुआ हैं, क्योकि जो हमारी हिन्दुस्तान निब्बत सड़क हैं वह जगह-जगह टूट चुकी हैं, जगह-जगह क्षेत्र जलमग्न हुए हैं और यह जो सात किलोमीटर में जो झील बनी हैं भगवान न करें अगर यह बांध एकदम अकस्मात टूट गया तो निचल क्षेत्रों में और भी क्षति होने की संभावना हैं। मैं आभारी हूं जैसा कि

आपको विदित है कि प्रातःकाल में प्रश्नकाल के आरम्भ होने से पूर्व इस माननीय सदन ने एक शोक प्रस्ताव पारित किया हैं, शोक संतप्त परिवारों के प्रति सम्वेदना प्रकट की हैं और मृतकों के प्रति श्रद्वांजलि आर्पित की हैं। मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहूंगा कि हिमाचल सरकार की आय के सीमित साधन हैं और जो क्षति पहले भूकम्प से हुई हैं उसकी भरपाई करने में भी हिमाचल सरकार असफल रही हैं और इतनी बड़ी जो यह क्षति हैं, यह जो क्लेमिटी हैं। भारत की सरकार को मदद के लिए आना चाहिए और प्रधान मंत्री राहत कोष से जो मृतक लोग हैं उनके आश्रितो को प्रति मृतक कम से कम दो लाख रूपया देना चाहिए और मैं जहां प्रधान मंत्री से आग्रह कर रहा हूं वहां आपके माध्यम से इस माननीय सदन के सदस्यों से और देशवासियों से भी अपील करूंगा कि हिमाचल सरकार की और हिमाचल के लोगों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उदारता से दान दें ताकि ऐसे लोग जो आज बेघर हो गए हैं, ऐसे लोग जिनके परिवार के सदस्य मर चुके हैं उनके लिए कुछ न कुछ आर्थिक सहयता मिल सके। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया मैं आपके प्रति और इस सदन के प्रति धन्यवाद करते हुए फिर एक बार पुनः अपील करना चाहूंगा कि उदारता से इस संकट की घड़ी में हिमाचल की जनता की सहायता के लिए दान दें ताकि लोगों की सहायता हो सके। धन्यवाद।

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) :उपसभाध्यक्ष महोदय, वास्तव में हिमाचल प्रदेश में जिस प्रकार से प्राकृतिक तांडव हुआ हैं और जिसके परिणामस्वरूप सैंकड़ो लोगों की जानें गई और आर्थिक दृष्टि से बहुत नुकसान हुआ और जो चेतावनी महेश्वर सिंह जी ने दी हैं उसके संबंध में केन्द्र सरका को तुरन्त ध्यान देना चाहिए ताकि और इससे अधिक किसी प्रकार की गड़बड़ी वहां न हो सके। दूसरा, मेरा निवेदन हैं कि केन्द्र सरकार को वहां पर सहायता करने के लिए तुरन्त ही कोई हाई पॉवर कमेटी भेजनी चाहिए ताकि उनकी मदद करने मे विलम्ब न हो सके, क्योकि अन्याथा कई बार सहायता जाने में बहुत विलम्ब होता हैं और फिर उस सहायता का कोई अर्थ नहीं रहता। तो मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वह तुरन्त ही वहां जानकारी करने के लिए, तथ्य एकत्रित करने के लिए और तुरन्त सहायता देने के लिए बदोबस्त करे। तीसरे, मेरी मांग हैं कि जो मृतक परिवार के लोग हैं उनको दो-दो लाख रूपए की सहायता तुरन्त उपलब्ध कराई जानी चाहिए, यह मेरे आपसे अनुरोध हैं और हम सब लोग हिमाचल के मृतक लोगों के प्रति श्रद्वांजलि आर्पित करते हैं। हम सोचते हैं कि जो गवर्नर साहब वहां गई है वह भी यहां राज्य सभा की पहले सेक्रेटरी जनरल थी, वह वहां पर हैं। हम चाहते हैं कि वह भी इस समय अपनी कर्त्तव्यपरायणत का परिचय देते हुए हिमाचल को संकट से उबारने का प्रयास करेंगी। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): I think it is a very tragic incident. The whole House is associating itself with it. In the mariir-ing we made an obituary reference.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARUAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI JAYANTHI NATRAJAN): Sir, the Minister wants to say something.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): I thinfc the whole House ssociates itself with it. It is a national tragedy/ and calamity. Mr. Minister, do you want to say something?

' THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECH-NOLOGY AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI YOGINDER K. ALAGH): Mr. Vice-Chairman^ Sir, we fully appreciate the sentiments expressed by the hon. Members. We will communicate to the Government at the highest level what they have stated. I alSo assur^ them that whatever we can do from my Ministry we will do. It was very rightly mentioned that We have a major power project there. We will try our level best to help them.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Mrs. Chandra Kala Pandey, do you still want to say something?

श्रीमती चन्द्रकला पांडेय (पश्चिमी बंगल) **:** यह जो संवेदत्नमक इश्यू इन्होने जो उठाया हैं उससे मैं अपने आप को संबद्व करती हूं। मिनिस्टर साहब से आश्वसन मिल गया हैं इसलिए बहुत कुछ बोलने की जरूरत नहीं हैं। जब भी हमारे देश का कोई नेचरल केलमिटो आये तो हम सब मिलकर उसका सामना करना चाहिए और उसके प्रति संवेदना जाहिर करनी चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Mrs. Anandiben Pa-tel, do you still want to say something?

श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल : (गुजरात)**:** महोदय, जो विषय महेश्वर जी ने रखा हैं उससे मैं अपने आप को सम्बद्व करती हूं कि केन्द्रीय सरकार से आग्रह करती हूं कि वह तुरन्त धन देकर सहायता करे।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): We have concluded the Zero Hour Submissions. Now message from the Lok Sabha, Secretary-General.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

THE APPROPRL\TION (RAILWAYS) No. 4 BILL, 1997.

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lak Sabha signed by thg Secretary-General of the Lok Sabha;

> "In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lak Sahba, I am directed to enclose the Appropriation (Railways) No. 4 Bill, 1997, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 12th August, 1997.
>
> The Speaker has certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India."

Sir, I lay a copy of the Bill on the Table.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F_ FERNANDES): Now we will resume the Calling Attention Motion.

SHRI ISH DUrr YADAV (Uttar Pradesh): Sir, what about Special Mentions?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN *P.* FERNANDES); We will take up the Spjcial Mentions after this, Yesterday's Calling Attention Motion is here. That is not going to be a debate today. There will be only clarifications.

श्री ईश दत्त यादव : महोदय, स्पेशल मैशन तो थोड़े ही हैं, वह तो हो जाने चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): You please sit down. The procedure is that soon after the Question Hour we are supposed to take the Calling Attention Motion. Yesterday we had taken the time of the House. Today we have taken up the Zero Hour Submissions. Now we will take up the Calling Attention Motion. The hon. Minister is also sitting here. We will take up the Special Mentions later. Now we will resume the discussion on the Calling Attention Motion. As I have mentioned, it is not going to be a discussion as listed in the List of Business. There will only be clarifications. Now I would request Prof. Naunihal Singh to resume.

Calling Attention to matter of nrgenr PnWic Importance Power crisis in the confry-Contd.

PROF. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh): Than's you, Mr. Vice-Chairman. Yesterday I made certain observations about the acute problem *rf* tJoweir shortage in the country. In this very context what we have to do is to plan for efficient generation and